

वर्ष 2009 माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्य प्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

परीक्षा के नाम की सील

#2 H. S. S. O.



1. विषय कोड 053 परीक्षा का विषय संस्कृत

2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 20-3-09

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर कोड सेट (सेट A, B, C, या D) अनिवार्यतः भरें

केन्द्र क्रमांक की सील
केन्द्र क्रमांक 131012

पर्यवेक्षक/केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरे

उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में [] अंकों में []

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्षा क्रमांक 08 में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

Handwritten student information and answer key. Includes name 'सुरेश कुमार', roll number '13575', and a table of answers for questions 4 and 5. Question 4 asks for the number of words in Hindi, and question 5 asks for the number of words in a given sentence.

B
S
E
M
P

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक)

नाम सुरेश कुमार पद आ.व.
पता/संस्था आ.व. मा. वि. म. सं. र. 5

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरे उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरे उत्तर पुस्तिकायें स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक

हस्ताक्षर (परीक्षक) SMT. RANA
परीक्षक क्रमांक 9780429

हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक)

दिनांक.....

(अक्षक)

दिनांक.....

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न-पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :-

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छ	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कवर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाएँ मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाएँ मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाएँ पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

3



+

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 3 के अंक



प्रश्न नं-1

30 (क) चिरानन्दः अस्य पदस्य सन्धि-विरक्तः
अस्ति

30 (ii) चित् + आनन्दः

30 (ख) नामस्तै इत्यस्मिन् पदे सन्धिः अस्ति
(iii) विसर्ग सन्धिः

30 (ग) नै + अकः इत्यस्य सन्धिः अस्ति
(ii) नायकः

(घ) परीपकारः इत्यस्मिन् पदे समासः
अस्ति

30 (iii) षष्ठी तत्त्वपुरुषः

30 (च) निर्माहिकम् इत्यस्य समासविग्रहः अस्ति
(iv) महिकाम् आश्रयः

30 (ङ) त्रिभुवनम् अस्मिन् पदे समासः अस्ति
(iv) द्विगुः

30 (झ) हरिहरौ इत्यस्य समासविग्रहः अस्ति

30 (ii) हरिश्च हरश्च

B
S
E
M
P

पृष्ठ 3

4

योग



प्रश्न नं-२

30

(क) (i) प्रति ✓

(ख) (ii) सम् ✓

(ग) (iii) प्रायः ✓

(घ) (iv) कुरुत ✓

प्रश्न नं-३

B
S
E
M
P

30

(क) (i) लट् लकारः ✓

(ख) (ii) अन्यपुराण ✓

(ग) (iii) रत्नवचन ✓

प्रश्न नं-४

30 (क) (i) आहार्य ✓

(ख) (ii) तरप ✓

(5)

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ संख्या



(a) (i) डीन

(b) (ii) सुप, प्रत्यय

प्रश्न नं-5

30 (a) (i) कुलम्

(b) (ii) स्यञ्जनः

(c) (i) तरणः

(d) हिरण्यं नास्ति तत्सर्वं यद्यत्पीतं
प्रकाशते।

(e) उत्तरवले शिरो कृत्वा मुखेभ्यो भयं
कुतः

प्रश्न नं-6

30 (a) (i) प्रथमा

(b) (ii) आत्मानम्

6

योग

कुल अंक



(iii) स्वयं-नमः

प्रश्न नं-7

30 (i) औजोननाम्नी परतम् → स्वमेव विश्वस्य
कृते महत्सः कुटम्

(ii) लक्ष्माः → पर्यावरणस्य
मूलधारकाः सन्ति

(iii) गंगा यमुनाप्रभृतयः → मातृवत्पूज्याः
सरितो

(iv) धेनुप्रभृतयो हिंसा → उरगादयश्च

प्रश्न नं-10 (क)

30 (i) आग्रान्तरे आजस्य सद्योद्योगिनः आगवन्तः

(ii) स्पन्दना मातुः सूचनानुसारं स्वयानिपेक्षित
दिव्यवस्तुभिः सह कार्यानि उपविष्टवन्ती।

(iii) कार्यानि प्रस्थितं यावत्, तत्, इतिगोचरम्
आसीत् तावदपि हस्तं चोत्सयन्ती
मार्गं स्वयं स्थिता।

7

योग पूर्व पृष्ठ



iv) ग्रह सर्व शून्यमिव, आस्ते एव

वक्ष्य

प्रश्न नं-10 (ख)

30 (i) भूतानि अन्नात् भवन्ति

(ii) शृष्टेः अन्नोत्पत्तिः भवति ।

iii) कर्मणा ब्रह्मणः तस्या ब्रह्म अक्षरात्, उद्भवति ।

iv) कर्मणाः यत्र उद्भवति ।

प्रश्न नं-11 (क)

30 (i) पराशवं मूढद्वियः प्रजन्ति ।

(ii) शूराः शूरास्तथाविधान् संवृताङ्गान्निश्चिता इवेषवः

, मायिनः मायाविषु ये न भवन्ति ।

iv) प्राणभ्य

B
S
E
M
P

पृष्ठ सं:



प्रश्न नं-11 (ख)

30 (i) सत्यपुराणः स्वे सुरवे न कुर्यते
सत्यपुराणाऽऽर्थशीलः

(ii) प्रहर्षे अन्यस्य दुःखे प्रहृष्टः न
भवति।

(iii) ये कृत्वा पश्चात् अनुतापं
न कुर्याते ते प्रहर्षे

(iv) सत्यपुराणाऽऽर्थशीलः न कुर्यते

प्रश्न नं-12

30 (i) मानं हित्वा प्रियो भवति क्रीड्यं हित्वा नशोर्थात्
कामं हित्वाऽर्थवान् भवति स्वोभं हित्वा सुखी
भवति।

(ii) सुखं च दुःखं च अवाऽभावी च लम्बाऽत्वाभा
भूमणं जीवतं च।
पर्यायज्ञः सर्वमैत्रे भवति तस्माद् वीरो न कुर्यते
शौचैत्



प्रश्न नं-13

30 (क) यः प्रजावान् वर्जयेत् सा प्रधाना

एव वहति मन्दमदं सनीरे समीरे ।

(ख) न च विनायकः कश्चित्

(ग) गंगा-यमुना प्रभृतयः सरितो मातृवत्
पुत्र्याः ।

प्रश्न नं-15

अश्वघोष

30 अश्वघोषस्य समयः प्रथमशताब्द्याः पूर्वाब्दे
सामान्यतः मन्थते । सौन्दर्यनन्दस्य पुष्पिका-
नुसारेण अश्वघोषः आर्योह्यावासी आसीत्,
सः ~~सुषुप्तः~~ ^{सुषुप्तः} पुत्रः आसीत् । अश्वघोषः
वैदिकसाहित्यस्य कुशलपठितः वाल्मीकिरामायण-
मर्मज्ञश्चापि । अश्वघोषस्य निरसदेहः
वैदिकसाहित्यस्य रचनाः सुरोचिताः त्रिस्रः
एव सन्ति ।

E
S
E
M
P



प्रश्न नं-16

(ग) रामायणम्

30 महर्षि-वाल्मीकि-विरचितम् आदिकार्यं
रामायणं लोकविश्रुतम् । रामायणे कार्ये
वाल्मीकिनाः ब्रह्मणाः प्रेरणया रामचरितं
विरचितम् ।

रामायणे कृत्वा सप्तकाण्डेषु चतुर्विंशति
सहस्रश्लोकयुक्ता उपलभ्यन्ते । अत्र
आदिकविना मर्यादापुरातनस्य श्रीरामस्य
आदर्शत्वं मातृ - पितृ - देवार्तिवि
फला - पुत्र - भ्रातृ प्रेम व्यावहाराणामुच्चि
यानि कृतम् । रामणस्य रचनाः कालः
प्रायः 600 ई. पूर्वमिति विदुषां मतम्

प्रश्न नं-17

30 एकदा राजकुमारः सिद्धार्थः विहारार्थम्
उपवर्णं गतः । सहसा कृद्वनह्वनिं
श्रुत्वा स इतस्ततः अपश्यत् । बाणेन
विद्धः एकः हंसः भूमौ पतितः आसीत्
एतत् दृष्ट्वा सिद्धार्थस्य चिन्तं
कुराणया व्याकुलं जातम् । सः
स्वापित्वा हंसस्य शरीरान् बाणं



निष्कारस्य तम् उद्दिष्टुं अध्यास्यत । अत्रान्तरे
 व्यावन् देवकन्तः तत्र प्राप्तः । सिद्धार्थस्य
 हस्तै हंसं दृष्ट्वा सः उच्यते अवदत्
 सिद्धार्थ । स्वयः हंसः मया बाणेन
 निपातितः अतः मह्यम् देहि ।

प्रश्न नं-२०

परोपकारः

B
S
E
M
P

30

रूपरेखा: →

- (१.) प्रस्तावना:
- (२.) परोपकारस्य महत्वम्
- (३.) उपसंहारः

(१.) प्रस्तावना: →

आस्मिन् संसारे अनिकविद्याः
 मनुष्याः सन्ति । कुञ्चित् स्वार्थम् एवं प्रमुखं
 गणयन्ति । कुञ्चित् क्विनाः परार्थम् एवं
 स्वाकर्तव्यम् मन्यन्ते स्वार्थम् त्यक्त्वा
 परेषां हितं साधनमेव परोपकारः कथ्यन्ते ।

परोपकारस्य महत्वम् →

कुञ्चित् क्विनाः
 परिभाषितम् अस्ति - परोपकाराय, पुण्याय



वापाय परपीडनम् अर्पति ये परीपकारः
 कुर्वन्ति ते पुण्यं स्वप्नन्ति ये अन्यान्
 पीडयन्ति ते पापं प्राप्नुवन्ति इतः
 परीपकारः कुरणीयः

(3) उपसंहारः ->

परीपकारिणो आयुर्वर्धते मनुष्यस्य
 देववत् भवति इतः कथितं हि -

पिबन्ति नद्यः स्वमेव नोदंते, स्वयं न रवदन्ति
 कुर्वन्ति श्रद्धाः ।
 घरा घरो वर्षति नात्महेतवे परीपकाराय सतां
 विभूतयः ॥

प्रश्न नं-19

30

सेवायाम्
 प्राचार्यमहोदयः
 संस्कृत विद्यालय रामपुरानगरम्

श्रीमन्तः

निवेदनम् अस्ति यत्, अहं पिबुः
 स्वप्नान्तरं ग्वालियरनगरे सञ्जाताम् ।
 सकुलः परिवारः अग्रिमेरविवासरै
 ग्वालियरनगरं गमिष्यामि । मया अपि

13

यो

१-१३कअक

कुल अ०



व्याख्याननगरे स्व अद्ययनम् कुरीये अविष्णो
अतः स्वानान्तरा प्रमाणं पत्रं विद्यालयं दत्वा
भवन्तः मयि अनुग्रहं कुर्वन्तु इति प्रार्थये

अन्यवादाः

भवदीय आशाकरा शिष्याः
प्रभा श्रीवास्त्रवः

प्रश्न नं-१४

B
S
E
M
P

३०

- (i) संसारे जनाः सुरवम् इच्छन्ति।
- (ii) सुरवं च ध्वनेन स्व प्राप्तं शक्यते।
- (iii) चौर्येण कुरीते च प्राप्तं ध्वनं विनाशकरं भवति।
- (iv) अस्य पार्श्वे ध्वनं भवति स्म. सुरवेन श्रेते ध्वनोपार्जनस्य आवश्यकता भवति।

प्रश्न नं-४

पृष्ठ सं. अंको का योग

३०

- (क) दुपदस्य
- (ख) आः पापे



- (ध) आम्रपृष्ठाः
(ग) नाटकः

प्रश्न नं-७

30

(क) पाठानुसारेण भारतपाकिस्तान युद्धस्य दिनाङ्कः पञ्चविंशति आसीत् ।

(ख) सपत्न्याः वचने श्रुत्वा अजयस्य क्रोधः आगतः ।

(ग) पुराकृतानि पुण्यानि यने एते समुद्रैः पर्वतशिखरेषु, अग्निः शर्वोऽसीमाने च रक्षन्ति ।

प्रश्न नं-14

30

(क) उपवनं परितः वनाः भ्रमन्ति ।

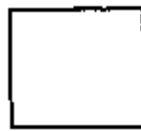
(ख) माता बालकाय दुःखं देवति ।

(ग) गणेशः विवरयः पुत्रः

(घ) राधा मन्दिरं गच्छति

(ङ) शिक्षकः सुधाडमं पिरवति ।

15



+



=

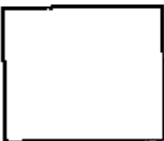


योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 15 के अंक

कुल अंक

B
S
E
M
P



पृष्ठ के अंकों का योग

16

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 16 के अंक

कुल अंक



B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

17

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 17 के अंक

कुल अंक



B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

18



+



=

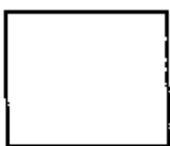


योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 18 के अंक

कुल अंक

B
S
E
M
P



पृष्ठ के अंकों का योग

19

+

=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 19 के अंक

कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

20

+

=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 20 के अंक

कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

21

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 21 के अंक

कुल अंक



B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

22

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 22 के अंक

कुल अंक



B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

23

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 23 के अंक

कुल अंक



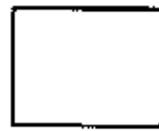
B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

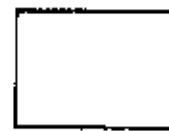
24



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 24 के अंक

कुल अंक



B
S
E
M
P



पृष्ठ के अंकों का योग